DETAILS EXPLANATIONS

Paper Code : RPSCEE10 | : RPSCCE10 | RPSCME10

[अनुभाग-अ]

1. **(क)** (i) पुत्रैषणा (ii) गायक

(ख) (i) दै + इनी (ii) वाक् + जाल

2. **(क)** (i) काली मिर्च (ii) मनोज

(ख) (i) रात के बाद रात

(ii) मुर नामक राक्षस के शत्रु है जो

3. **(क)** (i) अध–अधमरा, अधजला (ii) अ–अथाह, अजान

(ख) (i) सत् (ii) अन

4. **(क)** (i) आई–पढ़ाई, लिखाई, चढ़ाई।

(ii) आहट–चिल्लाहट, घबराहट

(ख) (i) इमा (ii) ईला

5. **(क)** (i) हरिण–मृग, चमरी, सारंग, कृष्णसार।

(ii) चन्द्रमा–कलानिधि, राका पति, मयंक।

(ख) (i) औरस–अनौरस / जारज (ii) भूषण–दूषण

6. (i) कूल – वंश कुल–किनारा

(ii) अलि – सखी अली–भौंरा

7. (i) अतीन्द्रिय (ii) अध्यूढ़ा

(iii) असूर्यपश्या (iv) पांडुलिपी / पाण्डुलिपि

8. (i) कवयित्री (ii) अत्यधिक

(iii) निरीक्षण (iv) रचयिता

9. (i) प्रत्येक ग्राहक को पत्रिका पहुँच चुकी है।

(ii) मैंने अपना काम कर लिया।

(iii) ये मेरे पिताजी है।

(iv) मैं बच्चों के लिए खिलौने लाया हूँ।

10. (i) अरण्य रोदन – बेकार रोना–धोना।

प्रयोग : सरकार के सामने बेरोजगारों की माँगे अरण्य–रोदन बनकर रह जाती है।

(ii) गाजर मूली समझना–किसी व्यक्ति को कमजोर, बेदम या हेय समझना।

प्रयोग : राजीव तुम हमें गाजर–मूली समझने की भूल न करो। हमें मारना इतना आसान नहीं है।

(iii) गूलर का फूल होना–दुर्लभ होना।

प्रयोग : आजकल तो जनाब गूलर के फूल हो गये है, दिखायी ही नहीं देते।

(iv) खाक छानना–व्यर्थ मारे मारे फिरना।

प्रयोग : हमने सोचा कि पुस्तकालयों की खाक छानने की बजाए क्यों न सर्वज्ञ जी की योग्यता का लाभ उठाया जाए।

(v) कलई खुलना–भेद खुलना।

प्रयोग : उन्हें सबसे विषम वेदना यही थी कि मेरे मनोभावों की कलई खुल गई।

(vi) चोरी और सीना जोरी–अपराध करके अकड़ना।

प्रयोग : रमेश चोरी करके भी लज्जित नहीं हुआ बल्कि अकड़ने और लगा इसरो तो वहीं बात चरितार्थ होती है, की चोरी और सीना जोरी।

(vii) जहाज का पंछी होना–एक पर आश्रित होना।

प्रयोग : रोहन के पिता की मृत्यु के बाद उसके लिए मामा जहाज के पंछी के समान हो गए।

(viii) तीन तेरह करना– अस्त व्यस्त करना, तितर बितर करना।

प्रयोग : मेरा सारा किया कराया तो तुमने तीन तेरह कर दिया, अब क्या लेने आये हो?

11. निम्नलिखित लोकोक्तियों का वाक्यों में प्रयोग द्वारा अर्थ स्पष्ट कीजिए– (कोई चार)

(i) जागेगा सो पावेगा, सोवेगा सो खोवेगा।

जो हर क्षण सावधान रहता है उसे ही लाभ होता है।

प्रयोग : रामू बहुत सतर्क रहता है, इसलिए उसे कभी हानि नहीं होती और तुमको बराबर हानि होती है। कहते भी हैं 'जागेगा सो पावेगा, सोवेगा सो खोवेगा'।

(ii) जो हाँडी में होगा वह थाली में आएगा।

जो मन में है वह प्रकट होगा ही।

प्रयोग : श्याम ने अपने सहकर्मी से लड़ाई करके अपनी मनोदशां व्यक्त कर दी की जो हांडी में होगा वह थाली में आएगा।

(iii) अन्धी पीसे कुत्ता खाय।

मेहनत कोई करे उसका लाभ कोई और उठाएं।

प्रयोग : उद्योगों से जुड़े मजदूरों की मेहनत का लाभ उद्योगपति उठाते है।

(iv) न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी।

किसी कार्य करने के लिए असाधारण शर्त रख देना।

प्रयोग : व्याख्याता परीक्षा में एम.ए. में 50 प्रतिशत अंक की शर्त रखकर राज्य सरकार ने ही शर्त चरितार्थ कर दी, न नौ मन तेल होगा न राधा नाचेगी।

(v) दान की बछिया के दाँत नहीं देखे जाते।

मुफ्त की वस्तु में दोष न निकालना।

प्रयोग : कन्यादान में मिली घड़ी बन्द होने पर सीता के ससुर उससे लड़ने लगे, तो सोनू ने उन्हें समझाया की दान की बछिया के दाँत नहीं गिने जाते।

(vi) पानी मथने से घी नहीं निकलता।

गलत दिशा में मेहनत करने से सफलता नहीं मिलती।

प्रयोग : राधा ने स्तरीय संस्था में प्रवेश नहीं लिया, और असफल हो गई। इससे स्पष्ट होता है, की पानी मथने से घी नहीं निकलता।

(vii) पुचकारा कुत्ता सिर चढ़े।

ओछे लोग मुँह लगाने पर अनुचित लाभ उठाते है।

प्रयोग : सोहन ने मोनू की निर्धनता पर दया करके उसे काम पर रख लिया, परन्तु मोनू ने चोरी करके यह साबित कर दिया की पुचकारा कुत्ता सिर चढ़े।

(viii) सैंया भये कोतवाल तो डर काहे का।

जानकार पदाधिकारियों से गलत लाभ उठाना।

प्रयोग : राजस्थान में एक मंत्री के रिश्तेदारों ने जमकर गलत कार्य किए, आमजनों को धमकाया, उनपर रोब जमाया। हर किसी को अपने स्वजन मंत्री का नाम लेकर भयादोहन किया जा रहा था।

12. अंग्रेजी शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द–

(i) स्वयं में / स्वतः सिद्ध
(ii) प्रस्ताव
(iii) महाभियोग
(iv) निर्धारण, नियतन
(v) अपील
(vi) सर्तकता, सावधानी
(vii) हद बंदी, सीमा–निर्धारण
(viii) अभियुक्त

○○○